**PEOPLE'S ACTION FOR EMPLOYMENT GUARANTEE Office:**
*Siddiqui Building, Bara Hindu Rao, 6122 Bahadurgarh Road, Delhi 110006*
*Tel: 011-23510042, 09811553633 (Annie), 09810810365 (Subhash) Email: rozgar@gmail.com*
*Correspondence: C/o B-19, Subavana Niketan, Pitampura, New Delhi 110034*

# रोजगार अधिकार यात्रा ने अपनी यात्रा पूरी की

## काम के अधिकार की माँग को लेकर की गई यात्रा जो कि देश के कई सबसे गरीब जिलों से गुजरती हुई पहुंची।

नई दिल्ली 28 जून 2005 :– रोजगार अधिकार यात्रा जो कि रोजगार गारंटी एक्ट को तुरन्त अपनाने की माँग को देश में 5000 किमी से भी अधिक की यात्रा तय कर व देश के 50 सबसे गरीब जिलों से होती हुई वापस लौटी है। यह बस यात्रा 13 मई 2005 को दिल्ली से चली व 29 जून 2005 को वापिस लौटी।

रोजगार अधिकार यात्रा का आयोजन संयुक्त मोर्चा (यूपीए) सरकार पर दबाव है जिससे कि वह अपने न्यूनतम साझा कार्यक्रम में किये गये वादे ग्रामीण रोजगार एक्ट को तुरंत लागू करे। इस यात्रा का उद्देश्य "काम के अधिकार" को सम्मान के साथ जीने के मूलभूत अधिकार के रूप में देखना था।

इस पर जोर देते हुए जीन ड्रेज, सीनियर इक्नोमिस्ट जो कि इस यात्रा से जुड़े थे ने कहा कि इस यात्रा ने यह दिखाया कि गरीबी, भूखमरी और बढ़ती बेरोजगारी से लड़ने के लिए कई कदम उठाने की तुरंत जरूरत है जो कि हासिये पर रह रहे लोगों की जिन्दगी पर बुरा प्रभाव डाल रहे हैं।

यह यात्रा रोजगार गारंटी एक्ट को सम्पूर्ण रूप से लागू करने की माँग करती है जो कि –

- सार्वभौमिक हो (हरेक युवा को रोजगार की गारंटी)
- अपरिवर्तनीय हो (इस रोजगार गारंटी स्कीम को वापिस न लिया जाये)
- कोई सीमा बंधन न हो (काम के दिवसों की कोई सीमा न हो)
- न्यूनतम वेतन का प्रावधान हो।
- पूरे देश में लागू हो।
- यह सुनिश्चित करे कि सबको समान वेतन मिले व महिलाओं की समान भागीदारी हो।

ग्रामीण गरीबों से ज्यादा इसकी जरूरत को और कोई नहीं जान सकता है। अपने अनुभवों को बाँटते हुए, शँकरगढ़, इलाहाबाद के मजदूरों ने कहा कि वन विभाग उनको जंगल में पत्थर तोड़ने से मना करता है जबकि वह जगह एकदम बंजर हो चुकी है। हम लोग पत्थर तोड़कर अपनी जीविका चलाते हैं परंतु वह भी संभव नहीं। निम्बी–लोगारा, की विमला देवी ने कहा कि यदि हम पत्थर तोड़ते हैं तो वन विभाग के लोग हम पर बन्दूक दिखाते हैं।

29 जून को यात्रा की वापसी के अवसर पर 2 जुलाई 2005 को कान्सट्यूटीश्यिन क्लब में 'जन मंच' का आयोजन किया गया है। इस मंच में काम के अधिकार की कमी व खाने के बदले काम कार्यक्रम के उल्लघनों के ऊपर आपबीती पर सुनवाई होगी। यह यात्रा कई उन जिलों से भी गुजरी जहां पर यह रोजगार कार्यक्रम लागू है।

जनमंच देश के कई राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को मंच पर लायेगा जो कि राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी बिल पर अपने विचार रखेगें जो कि 21 दिसंबर 2004 को संसद में रखा गया था और उसके बाद से स्टेडिग कमेटी के पास ही है। पूरे दिन चलने वाले कार्यक्रम के अन्य आकर्षण सांस्कृतिक प्रोग्राम व यात्रा से जुड़ी फोटो प्रदर्शनी भी है। इसके अलावा लोगों द्वारा हस्तारक्षित बैनर जो कि राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी बिल को तुरन्त लागू करने की माँग करेगा।

यह रोजगार अधिकार यात्रा और जनमंच का आयोजन 150 स्वयंसेवी संस्थाओं को समूह "पीयूप्लस एक्शन फॉर एम्प्लायमेंट गारंटी" ने किया है। जिसे कि देशभर की कई संस्थाएं, सामाजिक कार्यकर्त्ता, राजनेता, शिक्षाविद् जुड़े हैं।

**For more information please contact Nikhil Dey at 011-20580515, 09414004180, Reetika at 011-26512754, 011-51600905.**

# रोजगार अधिकार यात्रा – क्यों और कैसे?

रोजगार अधिकार यात्रा 13 मई 2005 को दिल्ली से रवाना हुई। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य सम्पूर्ण एवं प्रभावी रोजगार गारंटी कानून की मांग के लिए जारी अभियान को मजबूत बनाना है। साथ ही यह यात्रा काम के अधिकार को गरिमा के साथ जीवन जीने के बुनियादी अधिकार से जोड़ने का प्रयास करेगी।

यह यात्रा 47 सीटों वाली बस, जिसे रंगीन चित्रों एवं नारों द्वारा सुसज्जित किया गया है, द्वारा की जा रही है। सम्पूर्ण भारत से, विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमि वाले प्रतिनिधि इसमे भाग ले रहे हैं। बस में अलग–अलग मुद्दों पर काम कर रहे संगठनों जैसे – दलित, महिला, छात्र, किसान, मजदूर, आदिवासी संगठनों के साथ–साथ प्रोफेसर, वकील, पत्रकार साथियों का भी प्रतिनिधित्व है।

यह यात्रा जिन राज्यों से होकर गुजरेगी उनमें हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल एवं उत्तरप्रदेश शामिल हैं। यात्रा जून माह के अंत तक वापिस दिल्ली आएगी। यात्रा के दौरान राज्य सम्मेलन, जन सभाएं, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, ट्रेनिंग, वर्कशाप, नुक्कड नाटक, प्रदर्शन आदि किए जाएंगे। कई प्रतिष्ठित नागरिकों इन कार्यक्रमों में भाग भाग ले रहे हैं जिसमें ए.बी. बर्धन (सीपीआई), अरुणा रॉय (मजदूर किसान शक्ति संगठन), अरुंधती रॉय (लेखिका), बाबा आधव, ऐनी राजा (एनएफआईडब्ल्यू), दिपांकर भट्टाचार्य (सीपीआई–एमएल), मेधा पाटकर (एनएमपीएम), प्रभात पटनायक (जेएनयू), कमल मित्रा चिनॉय (जेएनयू), सिद्धार्थ वर्धराजन (हिन्दू), सीताराम येचूरी (सीपीएम), स्वामी अग्निवेश, वी.पी.सिंह (पूर्व प्रधानमंत्री) आदि शामिल हैं।

**"हर हाथ को काम दो, काम का पूरा दाम दो"** यात्रा का मुख्य नारा है। यात्रा की मुख्य मांग निम्नलिखित बिन्दुओं के साथ सम्पूर्ण एवं प्रभावी रोजगार गारंटी कानून को तुरंत अंगीकार करना है

- अपरिर्वतनीय गारंटी
- सार्वभौमिक हकदारी
- राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी मिलना सुनिश्चित
- महिलाओं की बराबर सहभागिता।

वित्त संबंधी मामलों मे यात्रा स्थानीय आतिथ्य और जनता की उदारता पर निर्भर है। बस के किराये के लिए चंदा दिल्ली में एकत्रित किया गया और डीजल की कीमत की भरपाई के लिए रास्ते में चंदा एकत्र किया जा रहा है। लू के थपेड़े सहते हुये भी यात्रा एवं स्थानीय साथियों के हौसलें मजबूत ही होते जा रहे हैं ।

अन्य जानकारी के लिए ूण्तपहीजजवविवकपदकपंण्वतह के भाग रोजगार अधिकार यात्रा पर जाएं। आप यात्रा के फोन नं 9868888127, या रोजगार गारंटी के लिए जन संघर्ष (011–23510042), 9350530150 (नवज्योति), 9810060481 (कमल) को सम्पर्क करें।

# रोज़गार अधिकार यात्रा पर पुलिस की बर्बरता

## (रीतिका खेरा, द्वारा आँखों देखा हाल)

4 जून, सादे कपड़ों में पुलिस द्वारा रोजगार अधिकार यात्रा पर बर्बर हमला किया गया और अपनी ए के 47एस तक लोड कर लीं गई।

यह घटना छत्तीसगढ़ में सरगुजा जिले के बलरामपुर गाँव में घटी! यात्रा लगभग 8.30 बजे बलरामपुर पहुँची और अन्य आम सभाओं की तरह ही शान्तिपूर्वक जनसभा आरम्भ की गई, कुछ ही मिनट में मोटर साईकिल पर दो पुलिस वाले सादे कपड़ों में वहाँ पहुँचे और सभी यात्रियों को जल्दी से तहसीलदार से मिलने के लिए कहा! यात्रियों ने नम्रता पुर्वक कहा कि वह सभा को जारी रखना चाहेगें क्योकि वह पहले ही पाँच घण्टें लेट है।

पुलिस वाले गुस्से में वापिस चले गये और 15 मिनट बाद 3–4 अन्य पुलिस वालों के साथ जो कि सादे कपड़ों में दूसरी मोटर साईकिलों पर सवार थे और लाठियों और बन्दूकों से लेस थे, आए। बिना किसी पूर्व सुचना के उन्होनें सभा भंग कर दी और बन्दूकें लोड़ कर ली। यह देख कर स्थानीय लोगों और यात्रियों ने जान बचाने के लिए टैक्टर और बस की ओर भागना शुरू कर दिया। लाठियों और बन्दूकों से लेस आदमियों ने एकत्र समूह पर अभद्र भाषा में चिल्लाना शुरू कर दिया। शुरूआत में वह केबल कुर्सियों पर लात मार रहे थे, लाइटें और माईक तोड रहे थे, पर बाद में उन्होने बस पर, यात्रियों पर और गाँव वालों पर लाठियाँ बरसाना शुरू कर दिया। साथ ही, उन्होने लोड की हुई बन्दूक ड्राईवर पर तान दी और उसे बस ले कर वहाँ से भाग जाने का हुक्म दिया। किसी कारणों से एक पुलिस वाले ने बस पर लाठी मारनी शुरू कर दी जिससे एक खिड़की का शीशा और बायें इन्डिकेटर का काँच टूट गया। बस में कई औरतें घायल हुई जिनमें नजिया, जो मुम्बई में सामाजिक कार्य की छात्रा है और मजदूर किसान शक्ति संगठन के साथ काम करती हैं और जुलेखा, जो छत्तीसगढ़ में स्वेच्छिक जर्नलिस्ट है, शामिल थी। मेरा ध्यान बस की तरफ था तभी मेरी लात पर लाठी पड़ी। किसी ने उसे रोकने की कोशिश की और कहा कि "उसे मत मारो वह एक औरत है" । पर वह अपने साथी को नहीं रोक पाया और फिर उसने मेरी बाजू पर मारा। कोसटव, जो जवाहर लाल विश्वविद्यालय में पी.एच.डी. का छात्र है, को सर पर लाठी पड़ी और उसके गाल से खून निकल रहा था। समर, (प्रोग्रेसिव स्टूडेंट यूनियन का कार्यकर्त्ता) को घुटने पर लगी। पुर्नाराम जो राजस्थान के तिलोनिया गाँव से आए थे, कमर पर लगी, और सबसे ज्यादा जॉन ट्रेज (अर्थशास्त्री) को लगी। जिस वक्त यह धटना धटी उस वक्त वह सड़क के उस पार फोन करने में व्यस्त थे। लोगों का शोर और चीखें सुनकर वह सभा स्थल की ओर भागे, लेकिन जैसे ही वह वहाँ पहुँचे चार आदमियों ने उन्हे घेर लिया और लाठियों से मारना शुरू कर दिया। बिना ज्यादा जानोमाल के नुकसान के यात्री वहाँ से भागने में सफल रहे। पर गाँव वालों की स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं है। उनकी सुरक्षा भी चिंता का विषय है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना, क्षेत्र में पुलिस बल के स्वछन्द प्रयोग का लक्षण है। ज्यादातर लोग राज्य अधिकारियों के डर के साय में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। यह बात इससे साबित होती है कि जब घटना के बाद पास के दूसरे गाँव में फोन करने की कोशिश की गई तो बाद में निशाना बनाए जाने के डर से कोई भी सहायता के लिए आगे नहीं आया।

5 जून को हम में से कुछ लोग एक एफ. आई. आर. लिखवाने वापिस अम्बिका पुर गए, तब तीन चक्कर लगाने के बाद हम आई. जी. ए. एन उपाध्याय से मिलने में सफल हुए। उन्होने हमें जिम्मेवार व्यक्तियों के खिलाई कार्रवाई करने का कोई आश्वासन नहीं दिया। बलरामपुर के एस. पी जी. पी. कालूरी, भी कुछ समय के लिए इस बैंठक मे शामिल थे। आश्चर्यजनकरूप से उन्होने ऐसे किसी भी लाठी जार्च के होने से इन्कार कर दिया। उन्होने पुलिस के लिए यह भी कहा कि जब तक यह साबित न हो तब तक बाहरी कोई भी व्यक्ति नक्सली होने के शक के घेरे में होगा ।

पुलिस द्वारा की गई प्रेस रीलीस और भी ज्यादा चौकाने वाली है जिसमें कई गलत एवं झूठे वक्तंव्य हैं जैसे कि यात्री कथित रूप से "तहसीलदार हाय हाय" और "पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद" के नारे लगा रहे थे, जबकि यह झूठ है। यह कहा गया कि यात्रियों ने सड़क जाम कर दी जब उन्हे वहाँ से जाने के लिए कहा गया। यह भी झूठ है – कि एक बार लाठी चार्ज होने पर यात्रियों के पास साफ–तौर से बच कर भागने का पर्याप्त समय था। यदी ऐसा था तो सड़क को जाम करने की बात पूरी तरह से बेबुनियाद है क्योकि उस (शाम के) वक्त सड़क पर बिल्कुल भी ट्रेफिक नहीं था। तीसरी बात जो प्रेस रीलीस मे कही गई उसके अनुसार यात्रियों में "जवान नेपाली दिखने" वाली लड़कियां भी थी, जिनकी वजह से पुलिस को उन पर शक हुआ कि वह नकसली हो सकते है। अंत में इस प्रेस रीलीस में कहा गया कि यात्रियों को "सम्मानजनक तरीके से" बस में बैठाकर रामानुजगंज की ओर रवाना कर दिया गया जहाँ यात्रा का अगला कार्यक्रम होना था। किसी भी मामले में, ऐसा मुश्किल जान पड़ता है कि बयान में कहा जाए कि आगन्तुक नकसलि होने के शक के घेरे में है और दावा किया जाए कि उन शंकित नकसलियों को सम्मानजनक तरीके से उनके अगले कार्यक्रम के लिए रवाना किया जाए।

*रीतिका खेरा, दिल्ली के अर्थशास्त्र स्कूल की पी.एच.डी. की छात्रा।*

# ROZGAR ADHIKAR YATRA – WHY AND HOW?

The Rozgar Adhikar Yatra was launched from Delhi on 13 May 2005. The aim of this Yatra is to strengthen the campaign for a full-fledged Employment Guarantee Act. The Yatra also seeks to affirm the right to work as an aspect of the fundamental right to live with dignity.

The Yatra is proceeding in a 47-seater bus, decorated with colourful slogans and photographs. The participants come from all over India and have diverse social backgrounds. They represent a wide range of organizations – women's organizations, students' organizations, Dalit organizations, workers' organization, among others.

The Yatra will go through ten states (Haryana, Rajasthan, Gujarat, Maharashtra, Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Jharkhand, Bihar, West Bengal and Uttar Pradesh) before returning to Delhi at the end of June. State conventions, public meetings, cultural activities, training workshops, street demonstrations, etc. will be taking place on the way. Many eminent citizens are expected to participate in these events including A.B. Bardhan (CPI), Aruna Roy (MKSS), Arundhati Roy (writer), Baba Adhav, Dipankar Bhattacharya (CPI-ML Liberation), Medha Patkar (NAPM), Prabhat Patnaik (JNU), Siddharth Varadarajan (The Hindu), Sitaram Yechury (CPM), Swami Agnivesh, V.P. Singh (former Primer Minister), to name a few.

The Yatra's slogan is "Har Haath Ko Kaam Do, Kaam Ka Pura Daam Do". The main demand is the immediate adoption of a full-fledged Employment Guarantee Act with the following essential features: irreversible guarantee; universal entitlements; national coverage; assured payment of minimum wages; equal participation of women.

In financial terms, the Yatra relies on local hospitality and the generosity of the public. Donations were collected in Delhi to hire the bus, and further donations are being collected on the way to cover diesel costs. The cash balance is low but the spirits are high.

**For further information, see www.righttofoodindia.org (section on "Rozgar Adhikar Yatra"). You can also contact the Yatra at 09868888127, or through People's Action for Employment Guarantee (011-23510042, 9350530150 [Navjyoti], 9810060481 [Kamal]).**

**ROZGAR ADHIKAR YATRA:**
**List of participating organisations**

Below is an initial list of organisations that have participated in various events on the itinerary of the Yatra. The list is not exhaustive and will be completed at the end of the Yatra.

Adivasi Dalit Morcha
Adivasi Ekta
Adivasi Mahasabha
Adivasi Mukti Sanghatan
Aftab Swayam Sahayta Samoh
AIRRBEA
Akal Sangharsh Samiti
Akhil Bhartiya Congress Seva Dal
All India Agricultural Workers' Union
All India Democratic Women's Association
All India Kisan Sabha
All India Progressive Women's Association
All India Students Association
All India Students Federation
All India Trade Union Congress
All India Youth Federation
Alternative for India Development
Aman Samuday
Anandi
Arch-Vahini
Bagad Mazdoor Sangathan
Baiga Mahapanchayat
BEF (CG)
Behavioural Science Centre
Bharat Gyan Vigyan Samiti
Bharatiya Kisan Mazdoor Sangathan
Campaign for Survival and Dignity
Centre of Indian Trade Unions
Chatra Yuva Sangharsh Vahini
Chhattisgarh Mukti Morcha
Chhattisgarh Rajya Vidyut Karmachari Janata Union
Communist Party of India
Communist Party of India (Marxist)
CPI-ML(Liberation)
Dalit Adhikar Suraksha Manch
Dalit Chetna Trust
Dalit Vikas Bindu
Democratic Youth Federation of India
Ekta Parishad
Gram Swaraj Abhiyan
Himachal Gyan Vigyan Samiti
Hind Mazdoor Sabha
Human Rights Law Network

Indian People's Theatre Association
Inqiliabi Naujawan Sabha
Jagrut Adivasi Dalit Sanghatan
Jal Jungle Jameen Andolan
Jamgoria Sevabrata
Jan Chetna Manch
Jan Sangharsh Morcha
Jan Seva Mandal
Jan Shakti Sanghatan
Jharkhand Grameen Vikas Trust
Jharkhand Kisan Rajyasabha
Jharkhand Rajya Arajpatrit Karmchari Sangathan
Kaimur Kshetra Mahila Mazdoor Kisan Sangharsh Samiti
Kashtkari Sanghatana
Khoj
Kisan Sabha Bokaro
Korwa Maha Panchayat
Manthan
Markswadi Yuva Morcha
Mazdoor Kisan Samiti
Mazdoor Kisan Shakti Sanghatan
Nadi Ghati Morcha
Narmada Bachao Andolan
National Alliance for the Fundamental Right to Education
National Alliance of Agricultural Worker Unions
National Alliance of People's Movements
National Campaign Committee for Rural Workers
National Campaign Committee for Unorganised Sector Workers
National Campaign for Dalit Human Rights
National Conference of Dalit Organisations
National Federation of Indian Women
National Federation of Forest Workers and Forest People
Naujawan
Nav Jawan Sabha
New Trade Union Initiative
Nimad Malwa Kisan Mazdoor Sanghtan
Nirman Mazdoor Panchayat Sangh
Nivali Gandhian Ashram
Niyariya Mazdoor Ganga Shudhikaran Sansthan
Paschim Banga Khet Mazdoor Samiti
Pahadi Korba Mahapanchayat
Pando Mahapanchayat
People's Union for Civil Liberties
People's Union for Human Rights
Praful Jan Kalyan Trust
Progressive Students Union
Progressive Writers Association
Punaravsan Sangharsh Samiti
Puruliya Sabuj Sangh
Rajpipla Samaj Sewa Mandal

Rupantar
Sahitya Academy
Saksharta Wahini (Jharkhand Gramvikas Trust, Garib Vikas Samiti)
Samajwadi Jan Parishad
Sarbik Gram Bikash Kendra
Satyashodhak Gramin Kasthakari Sabha
Shaheed Nilambar Pitambar Foundation
Shetmajoor - Kamgar - Rojgar Hami Samanway Samittee
Shiksha Bachao Andolan
Shikshit Berozgar Sangh
Shoshit Jan Andolan
Shramik Adivasi Sangathan
Shramik Sangathan
Shramjivee Mahila Samiti
Shramjivi Samaj
Tawa Matsya Sangh
TUC
UFTU
Uttar Pradesh Bhumi Sudhar Evam Shram Adhikar Abhiyan Samiti
Vagad Mazdoor Kisan Sangathan
Vasudha Mahila Manch
Vikas Sahyog Kendra